

---

shivakaNThastutiH

शिवकण्ठस्तुतिः

Document Information

---

Text title : shivakaNThastutiH

File name : shivakaNThastutiH.itx

Category : shiva

Location : doc\_shiva

Proofread by : PSA Easwaran

Description-comments : Brihatstotraratnakara 1 newer, Narayana Ram Acharya, Nirnayasagar, stotrasankhya 225

Latest update : March 25, 2017

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 30, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

शिवकण्ठस्तुतिः

---



श्रीगणेशाय नमः ॥

पातु वो नीलकण्ठस्य कण्ठः श्यामाम्बुदीपमः ।

गौरीभुजलता यत्र विद्युल्लेपेव राजते ॥ १ ॥

पातु वः शितिकण्ठस्य तमालसदृशश्यामलो गलः ।

संसक्तपार्वतीबाहुसुवर्णनिकषोपलः ॥ २ ॥

कस्तूरेतिलकन्ति भालङ्गलके देव्या मुष्णाम्बोरुडे

रोलम्भन्ति तमालवालमुकुलोत्तंसन्ति मौलिं प्रति ।

याः कर्णे विकथोत्पलन्ति कुययोरंसे य कालागुरु-

स्थासन्ति प्रथयन्तु तास्तव शिवं श्रीकण्ठकण्ठत्विषः ॥ ३ ॥

कस्तूरीयन्ति भाले तदनु नयनयोः कञ्जलीयन्ति कर्णप्रान्ते

नीलोत्पलीयन्त्युरसि मरकतालङ्कृतीयन्ति देव्याः ।

रोमालीयन्ति नाभेरुपरि... मध्ये ... लिने ष्योम्भेते ।

कल्याणं कुर्युरेते त्रिजगति पुरुजिह्वाकण्ठभासां विलासाः ॥ ४ ॥

एति शिवकण्ठस्तुतिः समाप्ता ।

Proofread by PSA Easwaran

---

